बीए अर्थशास्त्र

Semester 01 (Paper 01)

अर्थशास्त्र के अध्ययन की विधियां
(Study Methods of Economics)

किसी भी ज्ञान एवं विज्ञान के अध्ययन करने का उद्देश्य कारण एवं परिणामों के मध्य पारस्परिक संबंध की स्थापना करके किसी परिणाम सत्य या निष्कर्ष पर पहुंचना होता है।

जिस पद्धति अथवा तरीके के द्वारा परिणाम सत्य एवं निष्कर्ष में पहुंचा जाता है, उसे ज्ञान एवं विज्ञान की अध्ययन प्रणाली अथवा विधि कहते हैं।

अन्य विज्ञान के विषयों के सामान ही अर्थशास्त्र के विशेष संबंधी प्रणाम, सत्य एवं निष्कर्ष निकालने के लिए जिन तरीकों एवं पद्धतियों को प्रयोग में लाया जाता है, उन्होंने अर्थशास्त्र के अध्ययन की प्रणालियों अथवा विधियों के नाम से पुकारा जाता है।

अतः अर्थशास्त्र के अध्ययन की विधियों वे उपाय हैं जिनकी सहायता से हम आर्थिक निष्कर्षों का निर्माण करते हैं, उनकी सत्यता की परख करते हैं और आर्थिक घटना की खोज करते हैं।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

कोंसा के शब्दों में, "विधि शब्द का अर्थ उस तर्कपूर्ण प्रणाली से होता है जिसका प्रयोग सच्चाई को खोजने या उसे व्यक्त करने के लिए किया जाता है"।

अर्थशास्त्र में अध्ययन की दो विधियों हैं।

- निगमन विधि (Deductive Method)
- आगमन विधि (Inductive Method)

अर्थशास्त्र के सभी विषयों एवं कक्षाओं के नोट्स, प्रश्नोत्तर, सैंपल पेपर, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, विगत वर्षों के प्रश्नपत्र, अभ्यास प्रश्नपत्र (हिंदी या अंग्रेजी माध्यम) के PDF आपको www.theeconomicsguru.com पर मिल जायेंगे।

इसके साथ ही सभी हिंदी माध्यम तथा अंग्रेजी माध्यम के छात्रों के लिए Free **LIVE CLASS** भी उपलब्ध है, हमारे **YOUTUBE CHANNEL "THE ECONOMICS GURU"** पर । अभी **subscribe** कर लीजिये और ज्यदा से ज्यादा **शेयर** कर दीजिये अपने दोस्तों के बीच।

किसी भी प्रकार की समस्या के लिए आप हमसे सम्पर्क कर सकते है, YOUTUBE के कमेंट बॉक्स में कमेन्ट करें या वेबसाइट के Email वाले Option में जाकर **Email** करे या WhatsApp कर सकते है (Website में लिंक दिया गया है।

धन्यवाद

नकुल ढाली

The Economics Guru

लाभार्थी बोर्ड:

CBSE, UK Board, UP Board, Bihar Board, MP Board, CG Board, Rajasthan Board, Haryana Board

साथ ही **BA; B.COM; MA** के सभी SEMESTER लिए भी अध्ययन सामग्री उपलब्ध है।

THE ECONOMICS GURU

अभी VISIT करें www.theeconomicsguru.com

Subscribe my **YOUTUBE** channel **THE ECONOMICS GURU**

Follow me:

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

Facebook- *Nakul Dhali*

Instagram- *@theeconomicsguru*

निगमन विधि (Deductive Method)

अर्थशास्त्र के नियमों का निर्माण करने से संबंधित एक महत्वपूर्ण विधि निगमन विधि है। इस विधि को *परिकाल्पनिक विधि, अमूर्त विधि तथा अनुभव से पूर्व विधि* भी कहा जाता है।

प्रो. बोर्डिंग ने इस विधि को ***बौद्धिक प्रयोग की विधि*** का नाम दिया है। इस विधि का प्रयोग परंपरावादी अर्थशास्त्रियों जैसे ***एडम स्मिथ, रिकार्डो वालरस, मेंजर एवं आधुनिक अर्थशास्त्री जैसे रॉबिन्सन, फ्रिडमैन*** आदि ने किया है।

निगमन विधि क्या है?

निगमन विधि वह विधि है जिसमें सामान्य सत्य के आधार पर हम किसी एक विशिष्ट शक्ति को तर्क दौरा जानने का प्रयत्न करते हैं।

सरल शब्दों में, इस प्रणाली के अनुसार सर्वप्रथम मानव व्यवहार से संबंधित कुछ सर्वमान्य, प्रचलित एवं निर्विवाद सत्यों को आधार मान लेते हैं और तत्पश्चात तर्क एवं विश्लेषण की सहायता से किसी विशिष्ट सत्य या नियम का प्रतिपादन कर दिया जाता हैं।

प्रो. बिलसन गी के अनुसार, "निगमन विधि से अभिप्राय सामान्य से विशिष्ट अथवा सार्वभौमिक से व्यक्तिगत आधार पर निष्कर्ष निकालने से है"।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

उदाहरण के लिए

मांग का नियम एक सार्वभौमिक सत्य हैं जो यह बताता है कि अन्य बातें सामान्य रहने पर वस्तु की कीमत बढ़ने पर वस्तु की मांग कम हो जाती है ।

पेट्रोल एक वस्तु है, इसलिए हम कह सकते है कि पेट्रोल की कीमत बढ़ने पर पेट्रोल की मांग कम हो जाएगी।

निगमन विधि की अवस्थाएं (Steps of Deductive Method)

मान्यतायें (Assumptions): इस विधि से सबसे पहले आर्थिक व्यवहार के किसी महत्वपूर्ण पहलुओं के संबंध में मान्यतायें स्थापित की जाती है।

तर्क (Logic) आर्थिक व्यवहार की मान्यताओं के आधार पर तर्क द्वारा निष्कर्ष निकालने के लिए गणित की भी सहायता ली जाती है।

सत्यता की जांच (Verification) तर्क द्वारा जो निष्कर्ष निकाले जाते हैं, इन्हें वास्तविक जीवन में लागू करके इनकी सत्यता की जांच की जाती है।

निगमन विधि के गुण

- निष्कर्ष तक सिद्ध होते हैं।
- यह विधि अधिक निश्चित होती।
- यह विधि बहुत सरल है।
- नियम में सर्वव्यापकता पाई जाती है।
- इस विधि के द्वारा आगमन विधि के दौरान निष्कर्षों की सत्यता का परिक्षण किया जा सकता है।
- यह विधि शुद्ध और स्पष्ट निष्कर्ष प्रदान करता है।
- इस विधि के माध्यम से भविष्यवाणी की जा सकती।

निगमन विधि के दोष

- निष्कर्षों का वास्तविकता से परे होना।
- यह विधि स्थैतिक दृष्टिकोण को अपनाती है। जबकि वास्तविक स्थिति परिवर्तनशील होती है।
- निष्कर्षों की सत्यता की जांच का अभाव होता है।
- सार्वभौमिकता का अभाव होता है।

आगमन विधि (Inductive Method)

आगमन विधि भी आर्थिक नियमों का निर्माण करने के लिए एक महत्वपूर्ण तथा लोकप्रिय विधि है। इस विधि को प्रयोगात्मक विधि, ऐतिहासिक विधि, विश्लेषणात्मक विधि, सांख्यिकी विधि, अनुभव के बाद की विधि भी कहा जाता है।

आगमन विधि क्या है?

यह विधि निगमन विधि के विपरीत है। इसमें हम विशिष्ट व्यक्तियों के आधार पर सामान्य व्यक्तियों का निर्माण जाते हैं।

सरल शब्दों में,

इस विधि में, सर्वप्रथम कुछ तथ्यों का अध्ययन एवं निरीक्षण किया जाता है। तत्पश्चात उनसे कुछ विशिष्ट निष्कर्ष निकाले जाते हैं और अंत में उन विशिष्ट निष्कर्षों की एकरूपता की जांच कर के सामान्य सिद्धांतों या नियमों का प्रतिपादन किया जाता है।

संक्षेप में, इस विधि को हम विशिष्ट से सामान्य की ओर जाते हैं।

विलियम गी के अनुसार, "आगमन विधि विशिष्ट से सामान्य तथा ब्यक्तिगत से सार्वभौमिक सत्य तक पहुंचने की प्रक्रिया है"।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

आगमन विधि के प्रमुख समर्थक प्रो. कीन्स, जर्मनी की रोशे, इंग्लैंड के क्लिफ लैश्ले आदि।

आगमन विधि की अवस्थाएं

तथ्यों का एकत्रीकरण (Observation of Facts): इस विधि में सबसे पहले आर्थिक व्यवहार के विषय में तथ्य एकत्रित किए जाते हैं। जो कि दो प्रमुख उपायों ***प्रयोग और सांख्यिकी*** के द्वारा होता है।

परिकल्पना का निर्माण (Formulation of Hypothesis): आगमन विधि में तथ्यों को एकत्रित करने की पश्चात उनके आधार पर परिकल्पना का निर्माण किया जाता है, जिसके आधार पर चर्च दौरान निष्कर्ष निकाले जाते हैं।

सत्यता की जांच। (Verification): आंगनवाड़ी की तीसरी अवस्था में इन सदस्यों को वास्तविक जीवन में लागू करके उनकी सत्यता की जांच की जाती है।

आगमन विधि के गुण

- वास्तविकता के समीप
- निगमन विधि की पूरक
- यह प्रणाली आर्थिक प्रस्ताव की परिवर्तनशीलता पर भी प्रकाश डालती है
- निष्कर्षों की जांच की की जा सकती है

आगमन विधि के दोष

- व्यक्तिगत पक्षपात की संभावना।
- सर्वसाधारण के लिए यह कठिन विषय हैं।
- यह विधि सर्वव्यापी नहीं है।
- सामाजिक विज्ञान के लिए यहाँ कम उपयुक्त होता है।

निगमन तथा आगमन विधियों में भेद
(Distinction between Deductive and Inductive Method)

	निगमन विधि (Deductive Method)	आगमन विधि (Inductive Method)
1.	इसके तर्क का क्रम **'सामान्य से विशिष्ट की ओर'** होता है।	इसमें तर्क का क्रम **'विशिष्ट से सामान्य की ओर'** होता है।
2.	यह विधि मान्यताओं पर आधारित है।	यह 'अनुभव व सर्वेक्षण' पर आधारित है।
3.	इस विधि का प्रतिपादन व समर्थन प्रतिष्ठित अर्थशास्त्रियों द्वारा किया गया था।	इस विधि के जन्मदाता तथा समर्थक ऐतिहासिक सम्प्रदाय के अर्थशास्त्री माने जाते हैं।
4.	यह विधि स्थैतिक विश्लेषण पर आधारित है।	यह विधि प्रावैगिक विश्लेषण पर आधारित है।
5.	यह प्रणाली निष्पक्ष होती है क्योंकि निष्कर्ष सर्वमान्य सत्यों के आधार पर निकाले जाते हैं।	इस विधि में व्यक्तिगत पक्षपात की सम्भावना रहती है। अन्वेषक अपने विचारों से निष्कर्षों को प्रभावित करें।
6.	इस विधि द्वारा बनाये गये नियम हर समय प्रत्येक देश में लागू होते हैं।	इस विधि का प्रयोग अर्थशास्त्र के प्रत्येक क्षेत्र में नहीं किया जा सकता।
7.	यह विधि बहुत सरल है। इसका प्रयोग साधारण व्यक्ति भी कर सकता है।	सर्वसाधारण के लिए यह विधि कठिन है क्योंकि आर्थिक जगत के तथ्यों और आँकड़ों में बड़ी विविधता पायी जाती है।
8.	इस विधि से निकाले गये निष्कर्ष वास्तविकता से परे हो सकते हैं।	यह विधि तथ्यों तथा अंकों पर आधारित है। इसलिए यह वास्तविकता के काफी करीब है।
9.	यह विधि व्यष्टिगत अर्थशास्त्र के लिए अधिक उपयोगी है।	यह विधि समष्टिगत अर्थशास्त्र के लिए अधिक उपयोगी है।

अर्थशास्त्र के सभी विषयों एवं कक्षाओं के नोट्स, प्रश्नोत्तर, सैंपल पेपर, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, विगत वर्षों के प्रश्नपत्र, अभ्यास प्रश्नपत्र (हिंदी या अंग्रेजी माध्यम) के PDF आपको www.theeconomicsguru.com पर मिल जायेंगे।

इसके साथ ही सभी हिंदी माध्यम तथा अंग्रेजी माध्यम के छात्रों के लिए Free **LIVE CLASS** भी उपलब्ध है, हमारे **YOUTUBE CHANNEL "THE ECONOMICS GURU"** पर । अभी **subscribe** कर लीजिये और ज्यदा से ज्यादा **शेयर** कर दीजिये अपने दोस्तों के बीच।

किसी भी प्रकार की समस्या के लिए आप हमसे सम्पर्क कर सकते है, YOUTUBE के कमेंट बॉक्स में कमेन्ट करें या वेबसाइट के Email वाले Option में जाकर **Email** करे या WhatsApp कर सकते है (Website में लिंक दिया गया है।

धन्यवाद
नकुल ढाली
The Economics Guru

लाभार्थी बोर्ड:

CBSE, UK Board, UP Board, Bihar Board, MP Board, CG Board, Rajasthan Board, Haryana Board

साथ ही **BA; B.COM; MA** के सभी SEMESTER लिए भी अध्ययन सामग्री उपलब्ध है।

अभी VISIT करें www.theeconomicsguru.com

EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

Subscribe my **YOUTUBE** channel **THE ECONOMICS GURU**

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

Follow me:

Facebook- *Nakul Dhali*
Instagram- *@theeconomicsguru*